Under CSR Support by Ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय - 8 | वाख (ललद्यद)

QUIZ PART-01

1. **ललद्यद का जन्म कहाँ हुआ था?**
   A. श्रीनगर
   B. पाम्पोर के सिम्पुरा गाँव में
   C. जम्मू में
   D. अमृतसर में (B)

व्याख्या : ललद्यद का जन्म कश्मीर के पाम्पोर के सिम्पुरा गाँव में हुआ था।

2. **"रस्सी कच्चे धागे की" का प्रतीक क्या है?**
   A. दृढ़ विश्वास
   B. कमजोर और नाशवान सहारे
   C. ईश्वर का बल
   D. जीवन की गति (B)

व्याख्या : कच्चे धागे की रस्सी जीवन में अस्थायी और कमजोर सहारों का प्रतीक है।

3. **"नाव" का प्रतीक किसके लिए किया गया है?**
   A. जीवन
   B. शरीर
   C. प्रेम
   D. भक्ति (A)

व्याख्या : कविता में 'नाव' को जीवन रूपी नाव कहा गया है, जो भवसागर पार करने का प्रतीक है।

4. **"पानी टपके कच्चे सकोरे" का क्या अर्थ है?**
   A. व्यर्थ प्रयास होना
   B. सर्दी का मौसम
   C. प्रेम का अंत
   D. आकाश की उदासी (A)

व्याख्या : कच्चा सकोरा कमजोर होता है और उसमें पानी टिक नहीं पाता, जिससे प्रयास व्यर्थ होते हैं।

5. **कवयित्री के हृदय में "हूक" क्यों उठती है?**
   A. सांसारिक दुख के कारण
   B. प्रभु से मिलने की चाह के कारण
   C. संपत्ति की इच्छा से
   D. समाज की अन्यायपूर्ण स्थिति से (B)

व्याख्या : कवयित्री को प्रभु से मिलने की तीव्र इच्छा है, इसलिए उनके हृदय में हूक उठती है।

6. **"खा-खाकर कुछ पाएगा नहीं" पंक्ति का आशय क्या है?**
   A. अधिक भोजन से स्वास्थ्य खराब होगा
   B. भोग-विलास से शांति नहीं मिलती
   C. भूखा रहना श्रेष्ठ है
   D. संयम का कोई महत्व नहीं (B)

व्याख्या : यह पंक्ति सांसारिक सुखों के भोग से असली संतोष न मिलने की बात करती है।

7. **"सम खा" का तात्पर्य क्या है?**
   A. समान मात्रा में खाना
   B. अंतःकरण और इंद्रियों का नियंत्रण
   C. केवल साधुजन का आचरण
   D. दान-पुण्य करना (B)

व्याख्या : "सम खा" का अर्थ है अंतःकरण और बाह्य इंद्रियों पर समान नियंत्रण रखना।

8. **"खुलेगी सांकल बंद द्वार की" से क्या तात्पर्य है?**
   A. घर का दरवाज़ा खुलना
   B. मन की चेतना का विस्तार होना
   C. नए जीवन की शुरुआत
   D. मंदिर का द्वार खुलना (B)

व्याख्या : यहाँ "सांकल" मन की बंधन का प्रतीक है; इसका खुलना चेतना की मुक्ति को दर्शाता है।

9. **"समभावी" व्यक्ति कैसा होता है?**
   A. जो सबको समान माने
   B. जो दूसरों पर शासन करे
   C. जो केवल भक्ति करे
   D. जो दुख से भागे (A)

व्याख्या : समभावी व्यक्ति वह होता है जो सबको समान दृष्टि से देखता है, न किसी से द्वेष करता है, न मोह।

10. **ललद्यद की कविताओं में प्रमुख संदेश क्या है?**
    A. सांसारिक भोग की प्रशंसा
    B. धन और वैभव का महत्व
    C. आत्मशुद्धि और ईश्वर-प्राप्ति की प्रेरणा
    D. समाज की आलोचना (C)

व्याख्या : ललद्यद की वाखों का मुख्य उद्देश्य आत्मिक शुद्धि के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति की प्रेरणा देना है।